

दृष्टवत् वि. (तत्.) दृष्ट के समान, देखे हुए जैसा, जैसा पहले अनुभव किया हो वैसा ही।

दृष्टांत पुं. (तत्.) 1. किसी बात को समझाने के लिए प्रस्तुत की गई कोई समानधर्मी घटना, कथा या अन्य कोई बात टि. प्रायः किसी नियम, सिद्धांत या रुखे विषय को स्पष्ट करने के लिए दृष्टांतों का प्रयोग किया जाता है 3. न्याय जैसे- अंध-चटक न्याय (अंधे के हाथ बटेर लग जाना) 3. विधि. किसी नियम या कानून को स्पष्ट करने के लिए प्रस्तुत उदाहरण 4. साहि. एक सादृश्यमूलक अलंकार जिसमें उपमेय-उपमान के सामान्य गुणधर्म भिन्न होते हुए भी बिंब-प्रतिबिंब भाव झलकता हो 5. उदाहरण, मिसाल।

दृष्टार्थ वि. (तत्.) जिसका अर्थ स्पष्ट हो, व्यावहारिक।

दृष्टि स्त्री. (तत्.) 1. आँखों से देखकर ज्ञान प्राप्त करने की शक्ति, देखने की शक्ति 2. देखने की वृत्ति, नज़र, निगाह, विलोकन 3. किसी विशेष प्रकार की विचारधारा के अनुसार समझना जैसे- छात्रों की दृष्टि से यह कठिन है 4. सम्मति, विचार जैसे- मेरी दृष्टि से यह ठीक नहीं है 5. देखने का अवयव, नेत्र, आँख 6. देखने का प्रकार जैसे- गिद्ध-दृष्टि 7. ज्यो. ग्रहों की अच्छे-बुरे प्रभाव देने की शक्ति मुहा. दृष्टि फिरना- पहले जैसा भाव न रहना; दृष्टि रखना- ध्यान रखना, निगरानी करना; दृष्टि लगाना- लगातार एकटक देखना, प्रेम करना, किसी आशा में ताकना।

दृष्टिक वि. (तत्.) दृष्टि से संबंधित, प्रत्यक्ष।

दृष्टिक निरीक्षण पुं. (तत्.) निरीक्षक द्वारा केवल कागजपत्रों पर आधारित न रहते हुए अपनी आँखों से किया गया निरीक्षण।

दृष्टिकोण पुं. (तत्.) देखने एवं सोचने-समझने की दिशा, वह पहलू जिससे किसी बात पर विचार किया जाए, लिहाज जैसे- गुणवत्ता के दृष्टिकोण से कपड़ा बहुत अच्छा है पर मूल्य के दृष्टिकोण से खरीदने लायक नहीं है।

दृष्टिक्षेत्र पुं. (तत्.) मनो. वह पूरा क्षेत्र जहाँ तक दृष्टि जाती है। field of vision

दृष्टिक्षेप पुं. (तत्.) नजर डालना, दृष्टिपात।

दृष्टिगत वि. (तत्.) जो नजर आ गया हो, जो दिख गया हो।

दृष्टिगोचर वि. (तत्.) जिसे आँखों से देखा जा सकता हो, प्रत्यक्ष दिखने वाला।

दृष्टिदोष पुं. (तत्.) 1. देखने की क्रिया में होने वाला दोष, नेत्ररोग 2. दृष्टिकोण ठीक न होना 3. बुरी नजर।

दृष्टिनिपात पुं. (तत्.) दे. दृष्टिक्षेप।

दृष्टिपटल पुं. (तत्.) आयु. नेत्र गोलक के अंदरूनी भाग में स्थित परदा जिसके पीछे के भाग में देखी जाने वाली वस्तु का प्रतिबिंब बनता है और जिसे कोशिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क तक पहुँचाया जाता है।

दृष्टिपात पुं. (तत्.) दृष्टि डालने की क्रिया या भाव, दृष्टि पड़ने की क्रिया या भाव।

दृष्टिपूत वि. (तत्.) अच्छी तरह देखकर जाँचा हुआ, परखा हुआ देखा-भाला।

दृष्टिबोध पुं. (तत्.) 1. साहि. कवि के विशिष्ट दृष्टिकोण की जानकारी 2. कवि द्वारा अपने विशिष्ट दृष्टिकोण को लेखनी के माध्यम से जनसामान्य तक पहुँचाना।

दृष्टिभ्रम पुं. (तत्.) भौ. दर्शक की आँखों को भ्रम में डालने वाला दृश्य जैसे- उदय-अस्त के समय सूर्य-चंद्र का अपेक्षाकृत बड़ा दिखना या मृगमरीचिका।

दृष्टिमंदता स्त्री. (तत्.) नजर कमजोर होने का भाव, कोई दृश्य स्पष्ट दिखने के स्थान पर अस्पष्ट या धुँधला दिखने का भाव पर्या. दृष्टिमंदत्व।

दृष्टिमांद्य पुं. (तत्.) दे. दृष्टिमंदता।

दृष्टिमापी वि. (तत्.) आयु. वह यंत्र जिससे दृष्टिमंदता को मापा जाता है जिससे उचित